अध्याय-III

संगठनात्मक ढांचा

इस्पात मंत्रालय

22.5.2004 तक इस्पात मंत्रालय इस्पात राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार) के अधीन था और उसके बाद एक कैबिनेट मंत्री के अधीन है।

इस्पात मंत्रालय लोहा और इस्पात उद्योग की योजना और विकास, लौह अयस्क, चूना पत्थर, डोलोमाइट, मैंगनीज अयस्क, क्रोमाइट, फैरो मिश्र, स्पंज लोहे आदि जैसे आवश्यक आदानों के विकास और अन्य संबंधित कार्यों के प्रति उत्तरदायी है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के 10 उपक्रम और सरकार के सीधे प्रबंधन में एक कम्पनी है। इसका ब्यौरा अनुलग्नक-I पर है।

कार्मिकों का वर्गीकरण/श्रेणीवार ब्यौरा अनुलग्नक-II पर दिया गया है। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट अनुलग्नक-III पर दिया गया है।

विकास आयुक्त लोहा और इस्पात का कार्यालय

लोहा और इस्पात उद्योग विनियमन और विनियन्त्रण के परिणामस्वरूप इसके क्षेत्रीय कार्यालयों सहित विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के कार्यालय की भूमिका और आवश्यकता की भारत सरकार द्वारा समीक्षा की गई थी। वित्त मंत्रालय द्वारा गठित व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर इस कार्यालय को 4.5.2003 से बन्द कर दिया गया है और आंकड़े एकत्र करने के कार्यों जिन्हें संयुक्त संयंत्र समिति को सौंप दिया गया है, को छोड़कर शेष कार्य मंत्रालय को अन्तरित कर दिए गए हैं। कर्मचारियों को अधिशेष घोषित करने और उसके बाद पुनर्तैनाती करने के लिए कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के पुर्नप्रशिक्षण एवं पुनर्तैनाती प्रभाग द्वारा जारी किए गए विस्तृत अनुदेशों की शर्तों के अनुसार अपेक्षित कार्रवाई की जा रही है।

संयुक्त संयंत्र समिति

लोहा और इस्पात (नियन्त्रण) आदेश, 1956 जो अनिवार्य वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जारी किया गया था, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा 29 फरवरी, 1964 की अधिसूचना के तहत संयुक्त संयंत्र समिति गठित की गई थी।

तत्कालीन लोहा और इस्पात नियन्त्रक समिति का अध्यक्ष था उत्पादन, इस्पात उत्पादों के मूल्य निर्धारण और वितरण के लिए उत्तरदायी था। यह समिति इस्पात विकास निधि जो इस्पात उद्योग के आधुनिकीकरण, पुर्नवास और विकास की सुविधा के लिए बनाई गई थी, का प्रबंधन भी देखती है। बाद में विनियन्त्रण और उदारीकरण के फलस्वरूप आरम्भिक कार्य समाप्त कर दिए गए हैं और अब समिति को मुख्य रूप से इस्पात उद्योग के विभिन्न स्रोतों से आंकड़े एकत्र करने, उनका विश्लेषण करने और उसके बाद उन्हें इस्पात उद्योग को प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है। संयुक्त संयंत्र समिति के दिल्ली, चैन्नई, मुम्बई और कोलकाता में क्षेत्रीय कार्यालय हैं। आंकड़े एकत्र करने और उन्हें उपलब्ध कराने के अतिरिक्त यह देश के इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कुछ संवर्धनात्मक कार्य भी करता है। इसका प्रबंधन एक शीर्षस्थ समिति द्वारा किया जाता है जिसमें सेल, टिस्को, आर आई एन एल जैसे मुख्य उत्पादक और रेलवे प्रतिनिधि हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सूची

कम्पनी का नाम	सहायक कम्पनी
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003.	इण्डियन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड, बर्नपुर, जिला बर्धवान, पश्चिम बंगाल-713 325.
	इस्को उज्जैन पाइप एंड फाउण्ड्री लिमिटेड, 50, चौरंगी रोड, कलकत्ता-700071 (इस्को की सहायक कंपनी, जिसका समापन किया जा रहा है)
	विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड भद्रावती, कर्नाटक-577 301.
	महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड, मुल रोड, चंद्रपुर-442401 महाराष्ट्र (सेल की सहायक कंपनी)
राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, प्रशासनिक भवन, विशाखापत्तनम-530031 (आन्ध्र प्रदेश)	
मेकॉन लिमिटेड, मेकॉन बिल्डिंग, रांची-834 002, झारखंड.	
कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड,, 2 ब्लॉक, कोरमंगला, बंगलौर-560034 (कर्नाटक)	

नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, हैदराबाद-500028, (आन्ध्र प्रदेश)	जे.एंड के. मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन, 19/9, त्रिकुटा नगर, जम्मू-180012, जम्मू और कश्मीर (एन.एम.डी.सी. की सहायक कंपनी)
हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रशन लिमिटेड नं.1, शेक्सपीयर सरणी, 8वीं मंजिल, कोलकत्ता-700071 (पश्चिम बंगाल)	
भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड, सैक्टर-4, सेन्ट्रल एवेन्यू, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो-827004 (झारखण्ड)	
स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड, खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, हैदराबाद-500028 (आन्ध्र प्रदेश)	
एम.एस.टी.सी. लिमिटेड, 225-एफ, आचार्य जगदीश बोस रोड, कोलकत्ता-700020 (पश्चिम बंगाल)	फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, एफ. एस.एन.एल. भवन, पोस्ट बैग नं..37, इक्यूपमेंट चौक, सेन्ट्रल एवेन्यू, भिलाई-490001 (मध्य प्रदेश) (एम.एस.टी.सी.लि. की सहायक कंपनी)
मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड 3, माउंट रोड एक्सटेंशन, पोस्ट बैग नं.34, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र)	
सरकारी कम्पनी बर्ड ग्रुप की कम्पनियां एफडी-350, साल्ट लेक सिटी सेक्टर-III कोलकाता - 700106	

31.03.2004 की स्थिति के अनुसार इस्पात मंत्रालय में अनु. जाति/अनु. जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/ भूतपूर्व सैनिक, पुरुष और महिला कर्मचारियों की संख्या

पद का वर्गीकरण	कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	महिला	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	शारीरिकरूप से विकलांग	भूतपूर्व सैनिक
क	37	31	6	6	1	-	-	-
ख	81	56	25	12	5	2	-	-
ग	76	60	16	16	5	5	2	-
घ	67	65	2	31	9	4	-	-
योग	261	213	48	65	20	11	2	-

● इस्पात मंत्री के कार्यालय में वैयक्तिक कर्मचारियों सहित

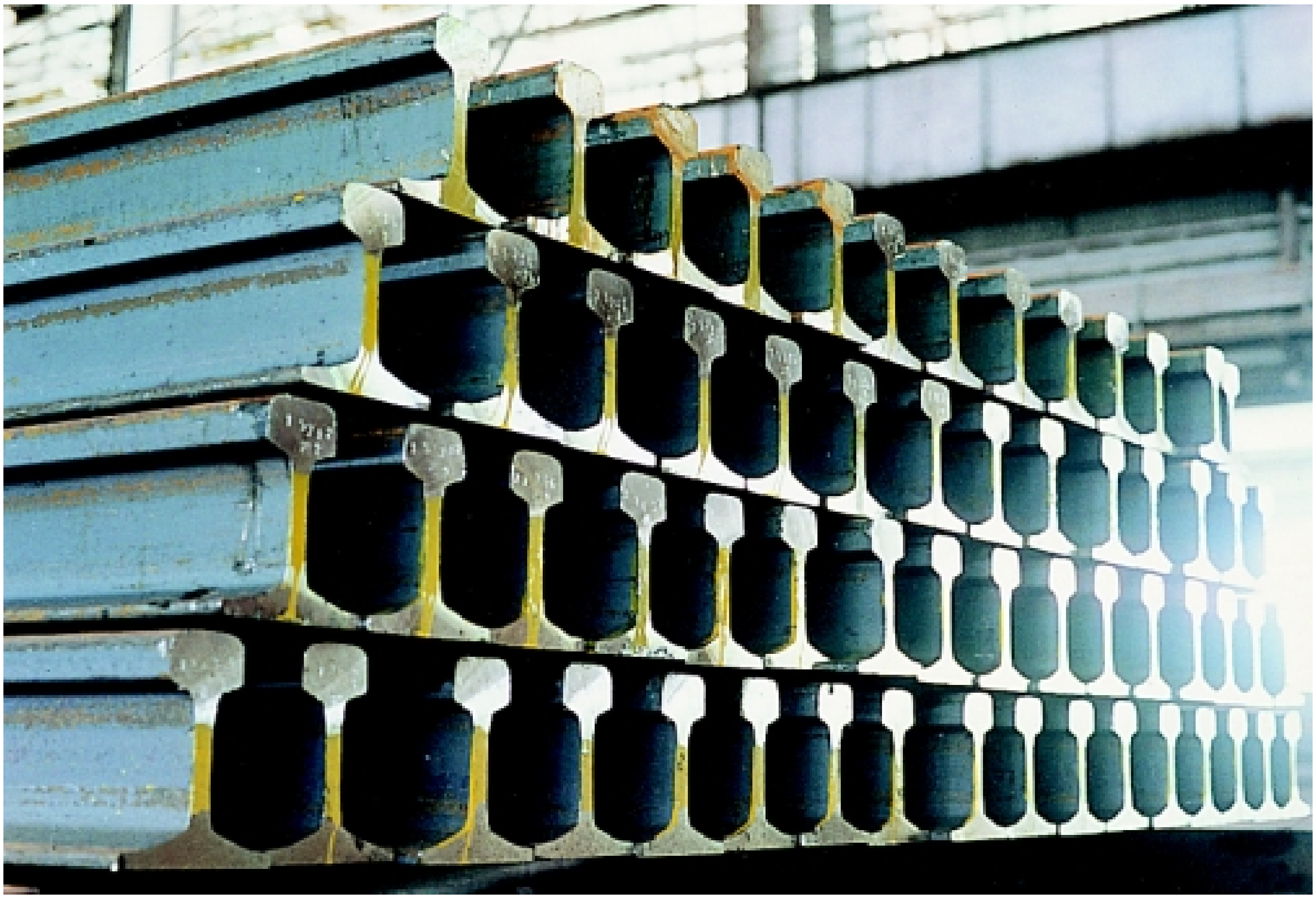

प्राईम यू.टी.एस. 90 रेल पटरियां रेल एवं स्ट्रड मिल, भिलाई इस्पात संयंत्र, सेल

अनुलग्नक-III

संगठनात्मक चार्ट

(31.3.04 की स्थिति के अनुसार)

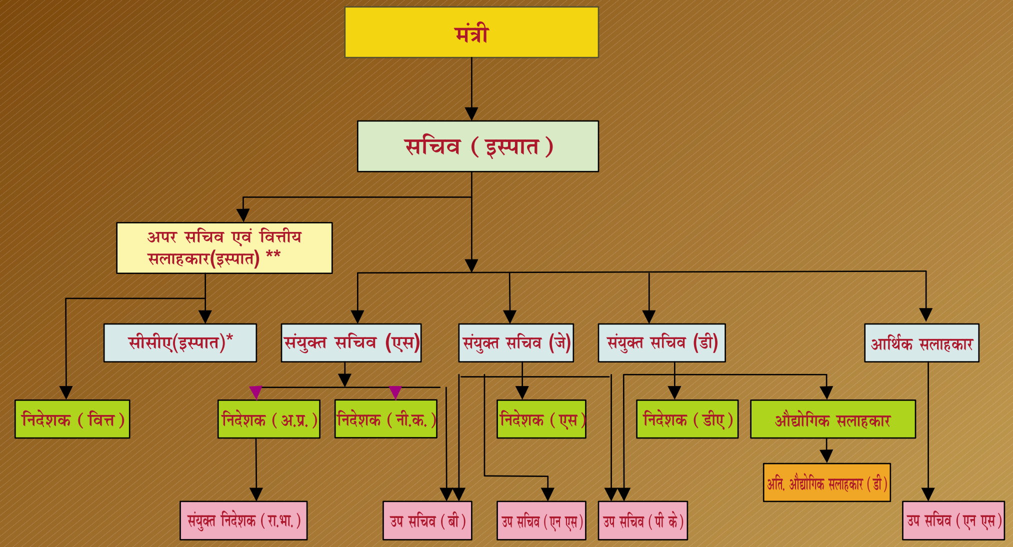

* कोयला और खान मंत्रालय में भी काम देखते हैं।

** महासागर विकास विभाग तथा गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत विभाग में भी कार्य देखते हैं॥

कोल्ड रोल्ड क्वायलें - बी एस एल, सेल